विदेशी व्यापार - स्थलरुद्ध देश होने के कारण नेपाल में व्यापार उन्नत नहीं है। यहाँ से आधार मुख्य रूप से भारत एवं चीन के साथ होता है। निर्यातित वस्तुओं में इमारती लकड़ी, घी, चावल, तम्बाकू, कच्चा जूट, ऊन, चमड़ा, खालें एवं तिलहन मुख्य हैं। यहाँ से दूसरे देशों से नमक, औषधियों, मशीनों, मोटरगाड़ियों, रेशम, शक्कर, सिगरेट एवं पेट्रोलियम का आयात होता है।

जनसंख्या - नेपाल की कुल जनसंख्या 2.98 करोड़ है। यहाँ प्रति वर्ग कि०मी० में 157 व्यक्ति निवास करते हैं। लेकिन यहाँ जनसंख्या का बड़ा ही असमान वितरण है। सबसे सघन बसा भाग काठमाण्डू-घाटी है। उत्तरी भाग में जनसंख्या बहुत ही विरल है। यहाँ की आबादी भी 85% जनसंख्या ग्रामीण अँचलों में वास करती है, शेष 15% जनसंख्या नगरों में रहती है। काठमाण्डू सबसे बड़ा शहर है। पोखरा, विराटनगर, पाटन तथा भदगाँव अन्य शहर हैं।

सारांश - नेपाल में विगत दशकों में राजनैतिक अस्थिरता, बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, लिपुलेख धारचूला एवं कालापानी के कारण भारत-नेपाल सम्बन्ध में आये दरार के चलते यहाँ का भविष्य अंधकारमय है। समय रहते ओ० पी० ओली की सरकार राजनैतिक अस्थिरता को रोकने एवं बढ़ती असंतोष को शमन करने में सफल रहती है तो नेपाल की साख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बच सकती है वरना भविष्य में आंतरिक विरोध इसके लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त कर देगा।

मो० नज़ीर अख्तर
भूगोल विभाग
एच० डी० जैन कॉलेज,
[आरा]

नेपाल का एक संतुलित भौगोलिक विवरण प्रस्तुत करें।
(Give a balanced geographical account of Nepal).

नेपाल हिमालय के गोद में स्थित एक पहाड़ी देश है। यह भारत के उत्तर में स्थित भारत – चीन के बीच एक बफर स्टेट (Buffer state) के रूप में अवस्थित है। यहाँ के निवासी शेरपा कुशल पर्वतारोही एवं गोरखा अपने योद्धापन के लिये संसार में प्रसिद्ध हैं। प्राचीन काल से नेपाल का भारत के साथ घनिष्ठता रही है। गत 2001 में वहाँ के राज घराने में हुए नर संहार एवं 21 नवम्बर 2006 को शांति संधि के बाद दिसम्बर 2007 में एक समझौते के तहत राजतंत्र समाप्त कर एक प्रजातांत्रिक देश घोषित किया गया।

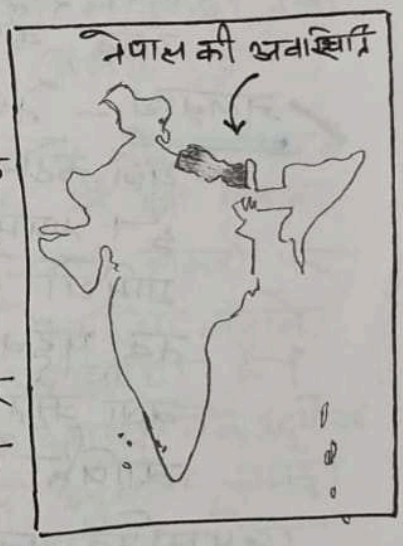

स्थिति एवं विस्तार – यह देश, अपनी स्थिति के कारण प्राचीन काल से स्वतंत्र रहा है। सदियों तक एक हिन्दू राज के रूप में यह प्रतिष्ठापित रहा। यह देश 16°20' उत्तरी अक्षांश से लेकर 30°10' उत्तरी अक्षांश एवं 80°15' पूर्वी देशांतर से लेकर 88°12' पूर्वी देशांतर के बीच अवस्थित है। इस प्रकार यह 1,47,181 वर्ग कि०मी० क्षेत्र में फैला है। इसकी आकृति चतुष्कोणीय है।

भू-आकृति – नेपाल विभिन्नताओं का देश है। यहाँ की भूमि उत्तुंग हिमाच्छादित चोटियों, गहरी घाटियों, दलदली वन एवं चौरस मैदानों से भरा-पड़ा है। नेपाल को भौगोलिक आधार पर तीन भागों में खण्ड किये जाते हैं:–

1) महान हिमालय -
2) आंतरिक हिमालय
3) तराई प्रदेश

नेपाल की भू आकृति

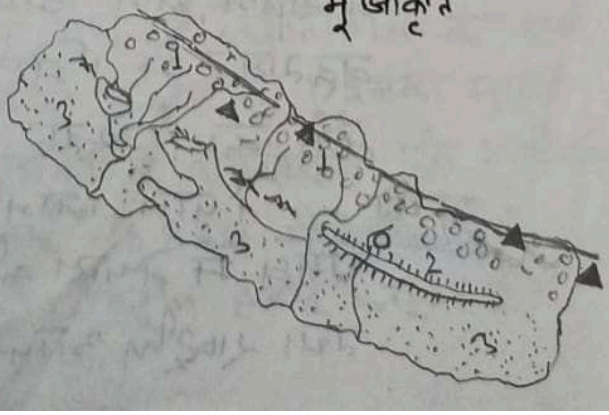

है। चावल, गेंहू, मोटे अनाज (मकई, ज्वार, बाजरा) आलू, तम्बाकू एवं जूट यहाँ के मुख्य कृषि उत्पाद हैं। इसके अलावा गन्ना एवं तिलहन भी बड़े पैमाने पर उपजाये जाते हैं।

पशु पालन – नेपाल का यह प्राचीन पेशा है। यहाँ के गुरुंग लोगों का मुख्य पेशा है। देश के पहाड़ी ढलानों एवं घाटियों में यह पेशा मुख्य रूप से देखा जाता है। गायें, बकरियाँ, भैंस, भेड़ तथा सूअर यहाँ के मुख्य पशु धन हैं।

खनिज-पदार्थ – यह देश खनिज-पदार्थ के मामले में बहुत ही गरीब देश है। यहाँ मुख्य रूप से लिग्नाइट कोयला मिलता है। जहाँ-तहाँ अल्प मात्रा में लोहा, ताँबा जस्ता, अभ्रक, सीसा और कोबाल्ट भी मिलते हैं।

उद्योग – नेपाल में उद्योगों का विकास नहीं हुआ है कुछ उद्योग कुटीर उद्योगों के रूप में ही ~~[illegible]~~ विकसित हुए हैं। सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, लकड़ी पर खुदाई का काम, बर्तन उद्योग, और टोकरियाँ बनाने का काम ऐसे ही कुटीर उद्योगों के उदाहरण हैं। नेपाल में हाल के दशकों में कुछ आधुनिक उद्योग भी लगे हैं, इनमें चीनी उद्योग, कागज उद्योग, चमड़ा उद्योग, सीमेंट उद्योग, तथा रेडियो असेम्बलाई उद्योग मुख्य हैं। कच्चे माल की कमी, पूंजी का अभाव कुशल श्रमिकों की कमी, गरीबी एवं परिवहन के साधनों के अभाव के कारण यहाँ उद्योगों का यथोचित विकास नहीं हुआ है।

परिवहन के साधन – नेपाल में वैसे तो जल परिवहन के साधनों को छोड़कर यातायात के सभी साधनों का बहुत कम विकास हुआ है। इसका मुख्य कारण विषम धरातलीय स्वरूप, राजनैतिक अस्थिरता एवं गरीबी है। यहाँ सड़कों की कुल लम्बाई 16,834 कि०मी० है। काठमाण्डू यहाँ का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

DMI NOTE 8 PRO
MP QUAD CAMERA

1. महान हिमालय - नेपाल के उत्तरी भाग में महान हिमालय का विस्तार है। इस भाग में अनेक शृंग चोटियाँ (माउण्ट एवरेस्ट (8848 मीटर) अन्नापूर्णा ( ) एवं धौलागिरि (8850) अवस्थित हैं। उत्तर की ओर से यह अप्रवेश्य है केवल दर्रों से इसको पार किया जा सकता है।

2. आंतरिक हिमालय - महान हिमालय एवं दक्षिण में तराई प्रदेश के बीच व्याग, डुण्डवा आदि छोटी-छोटी पर्वत श्रेणियाँ और महाभारत लेख पर्वत स्थित हैं। इसे ही आंतरिक हिमालय कहते हैं।

3. तराई प्रदेश - नेपाल के दक्षिणी भाग में कहीं भाबर भूमियाँ फैली हैं तो कहीं दूर-दूर तक चौरस समतल मैदान। इन्हीं भूमियों को तराई प्रदेश कहते हैं। इसी भाग से गंडक, कोसी, घाघरा आदि नदियाँ प्रवाहित होती हैं।

जलवायु - नेपाल की जलवायु सामान्य ठंडी है। सर्दियों में यहाँ कठोर सर्दी पड़ती है, तथा जगह-जगह हिमपात होता है। तापमान गिरकर शून्य से 10°C नीचे हो जाता है। गर्मियों में मौसम सुहावना हो जाता है। तापमान 27°C तक पहुँच जाता है। सर्दियों में यहाँ चक्रवातीय वर्षा और वर्षा ऋतु में मानसूनी वर्षा होती है। यहाँ का औसत वार्षिक 150 से०मी० है।

प्राकृतिक वनस्पति - यहाँ मुख्यतः दो प्रकार के वन पाये जाते हैं। पहाड़ी अंचलों में पर्वतीय वन और मैदानी भागों में उष्ण कटिबंधीय चौड़ी-पत्ती वाले वन पाये जाते हैं। बलूत, ऐश, पोपलर, चीड़, एवं एल्डर पर्वतीय अंचलों में प्रायः हर जगह पाये जाते हैं। मैदानी भागों में शीशम, आम, अमरूद, महुआ, सखुआ एवं साल वृक्ष बहुतायत में मिलते हैं। यहाँ के 25.4% भागों में वनों का विस्तार है।

कृषि - नेपाल आज भी कृषि प्रधान देश है। वर्तमान समय में नेपाल की 90% जनसंख्या कृषि पर आश्रित है तथा राष्ट्रीय आय का 39% आमदनी कृषि से प्राप्त होती